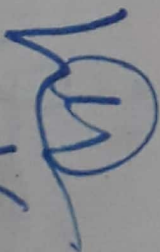


16/10
19

पुनर्विधु वकीलार्ड | वकील प्रार्थना एवं
अध्यायीगण को बार-बार आवाज लगाई
गई। परन्तु न तो प्रार्थना एवं अध्यायीगण
के वकील एवं न ही प्रार्थना एवं अध्यायीगण
स्वयं-व्यायामयके समय उपस्थित हुए।
अतः व्यायामय सि. प्र. सं., 1908 के आदेशों
विषय 3 के तहत प्रार्थनापत्र को खारिज
करने का आदेश देना है।


16.10.19

